www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 155 | जौनपुर सोमवार, 19 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के लिए दो और प्रमुख नेताओं को निलंबित किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पटनायक द्वारा 12 जनवरी से पार्टी विधायकों के साथ की गई तीन दौर की बैठकों के बाद यह निलंबन की कार्रवाई की गई हैं और अब तक वह 29 विधायकों से मिल चुके हैं। बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष नवीन पटनायक ने 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के आरोप में शुक्रवार को दो और प्रमुख नेताओं को निलंबित करते हुए पार्टी सदस्यों को अनुशासन और एकता बनाए रखने का स्पष्ट संदेश दिया। निलंबित नेताओं में जाजपुर जिले की जिला परिषद की अध्यक्ष नलिनी प्रभा जेना और पार्टी की जाजपुर जिला इकाई के उपाध्यक्ष गणेश्वर बराल शामिल हैं। यह कदम दो विधायकों – अरविंद मोहपात्रा (केंद्रपाड़ा जिले के पटकुरा) और सनातन महाकुड (क्योंझर जिले के चंपुआ) को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निलंबित किए जाने के एक दिन बाद उठाए गए हैं। पटनायक द्वारा 12 जनवरी से पार्टी विधायकों के साथ की गई तीन दौर की बैठकों के बाद यह निलंबन की कार्रवाई की गई हैं और अब तक वह 29 विधायकों से मिल चुके हैं।

जेल में बंद पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने जान से मारने की धमकी मिलने का आरोप लगाया

देवरिया, (संवाददाता)। जेल में बंद भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और इसके मद्देनजर उन्होंने अपनी जमानत याचिका पर होने वाली सुनवाई में स्वयं अदालत में उपस्थित होने का अनुरोध किया है। ठाकुर ने शुक्रवार को जनपद न्यायाधीश धनेंद्र प्रताप सिंह की अदालत में आवेदन प्रस्तुत किया और शनिवार को होने वाली जमानत सुनवाई में अदालत में पेश किए जाने का अनुरोध किया। न्यायाधीश ने अमिताभ ठाकुर के इस आवेदन को उनकी जमानत याचिका के साथ प्रस्तुत करने का आदेश दिया। औद्योगिक भूखंड आवंटन मामले में 10 दिसंबर 2025 से अमिताभ ठाकुर जेल में निरुद्ध हैं। उनकी जमानत सुनवाई में पहले भी कई बार अड़चनें आई हैं। अर्जी में बताया गया कि ठाकुर के बैरक के बाहर कंप्यूटर से टाइप किया गया एक कागज का नोट मिला, जिसमें अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। उनके वकील प्रवीण द्विवेदी ने कहा कि जेल में ठाकुर की सुरक्षा को गंभीर खतरा है। जेल अधीक्षक प्रेम सागर शुक्ला ने बताया कि ठाकुर ने अधिकारियों को बैरक के पास मिले धमकी भरे नोट की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है। अमिताभ ठाकुर की नियमित जमानत और उनकी पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत पर शनिवार को सुनवाई होगी। ठाकुर चाहते हैं कि वे स्वयं अदालत में उपस्थित होकर दोनों मामलों पर तर्क प्रस्तुत करें, ताकि कोई तथ्य न छूटें। पुलिस और जेल अधिकारियों ने कहा कि कथित धमकी की जांच के नतीजे के आध

भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ और घुसपैठियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा : प्रधानमंत्री मोदी

मालदा, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घुसपैठ के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में कहा कि भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ और घुसपैठियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती घुसपैठ की है। दुनिया के विकसित और समृद्ध देश हैं, जिन्हें पैसों की कोई कमी नहीं है, वे अपनी जगह से घुसपैठियों को निकाल रहे हैं। पश्चिम बंगाल से भी घुसपैठियों को बाहर निकालना बहुत जरूरी है। मालदा में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के अनेक क्षेत्रों में आबादी का संतुलन भी बिगड़ रहा है। यहां के लोग मुझे बताते हैं कि कई जगह तो बोलचाल भी बदलने लगी है। कई जगह भाषा और बोली में फर्क आ रहा है। घुसपैठियों की आबादी बढ़ने से मालदा, मुर्शिदाबाद समेत पश्चिम बंगाल के अनेक क्षेत्रों में दंगे भी होने लगे हैं। जनता से अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपको घुसपैठिए और यहां के सत्ताधारी दल के इस गठजोड़ को तोड़ना ही होगा। उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ और घुसपैठियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ष्यह मोदी की गारंटी है कि पड़ोसी देशों में धर्म के आधार पर होने वाली हिंसा से बचने के लिए भारत में आए मतुआ और नामशूद्र समुदाय के शरणार्थियों को हमारी सरकार सुरक्षा देगी। इन शरणार्थियों को डरने की जरूरत नहीं है। ऐसे साथियों को संविधान ने भारत में रहने का हक दिया है। हमारी सरकार ने सीएए के माध्यम पूरी सुरक्षा दी है। यहां बनने जा रही भाजपा सरकार मतुआ और नामशूद्र समुदाय के शरणार्थियों की बस्ती में विकास के काम को और गति देगी।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने अमित शाह से की मुलाकात, कई मुद्दों पर विस्तार से हुई चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पंजाब से जुड़े कई संवेदनशील और अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में तार पार सीमावर्ती क्षेत्र की समस्याओं से लेकर बीज बिल, जल विवाद, खाद्य सुरक्षा और किसानों से जुड़े विभिन्न विषय प्रमुख रूप से उठाए गए। मुलाकात के दौरान सीएम मान ने कहा कि पंजाब एक कृषि प्रधान राज्य है और यहां की अर्थव्यवस्था किसानों पर आधारित है। ऐसे में बिना पंजाब सरकार से परामर्श किए संसद में बीज बिल लाए जाने पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई। इस मुद्दे पर जोर देते हुए कहा गया कि किसी भी कृषि कानून या बीज से संबंधित विधेयक को लागू करने से पहले पंजाब जैसे कृषि राज्य की सहमति और सुझाव लेना अनिवार्य होना चाहिए। बैठक में सतलुज–यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया। इसके अलावा, फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) में जनरल मैनेजर (जीएम) के पद पर पंजाब कैडर के अधिकारी की नियुक्ति की भी मांग की गई। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस मुलाकात की जानकारी देते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, ष्आज दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। इस दौरान तार पार सीमावर्ती क्षेत्र और बीज बिल सहित कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।ष उन्होंने आगे लिखा, ष्पंजाब एक कृषि प्रधान राज्य है, इसलिए बिना पंजाब से परामर्श किए संसद में बीज बिल ना लाए जाने का मुद्दा उठाया। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि पंजाब के पास अतिरिक्त पानी नहीं है, इसलिए एसवाईएल के मुद्दे को भी समाप्त किया जाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अगले 4 वर्षों में प्रदूषण कम करने के लिए पेश किया मास्टर प्लान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को राजधानी में वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटने के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्य योजना की घोषणा की। एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य अगले चार वर्षों के भीतर दिल्ली के वायुमंडल में मौजूद पीएम 2.5 के स्तर को न्यूनतम स्तर पर लाना है। रेखा गुप्ता ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कई विभागों को शामिल करते हुए एक कार्य योजना प्रस्तुत की और अधिकारियों को 'स्पष्ट और परिणामों पर केंद्रित' तरीके से काम करने का निर्देश दिया। पीएम 2.5 हवा में मौजूद सूक्ष्म कण होते हैं जो सांस के साथ शरीर में फेफड़ों तक जा सकते हैं और ये स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। गुप्ता ने कहा, ''प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लंबी हैय हमारी सरकार चार साल की अवधि में वायु प्रदूषण (पीएम 2.5) के स्तर को काफी हद तक कम करने के लिए एक स्पष्ट, और परिणामों पर केंद्रित कार्य योजना पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के विभिन्न विभागों (लोक निर्माण विभाग, परिवहन, और पर्यावरण मंत्रालय) के अधिकारियों के साथ बैठक कर एक सख्त रोडमैप तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जो फेफड़ों के लिए सबसे घातक माने जाते हैं, सरकार की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर हैं। विभिन्न विभागों को श्स्पष्ट और परिणामों पर केंद्रिततरीके से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने अगले चार वर्षों की एक निश्चित अवधि तय की है, जिसके दौरान प्रदूषण नियंत्रण के उपायों का प्रभाव जमीन पर दिखना चाहिए। महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में चुनावी हिंसा! रोकने की कोशिश और नेताओं पर हमले, कई शहरों में तनाव हवा में मौजूद है।

जनता को दिग्भ्रमित कर रही विपक्ष : सीएम योगी

वाराणसी, (संवाददाता)। काशी के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर चल रहे विकास कार्य और उससे जुड़े विवाद के बीच शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी पहुंचे, लेकिन वह मणिकर्णिका घाट पर नहीं गए। सर्किट हाउस में सीएम ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार भारत की आस्था को अपमानित करती रही है। मठ–मंदिर के विवादित मुद्दे उठाकर सनातनी जनता को दिग्भ्रमित करने का काम हो रहा है। विश्व में सबसे न्यारी काशी में माता अहिल्याबाई के सम्मान हो ठेस पहुंचाया जा रहा है। कांग्रेस ने कभी भी विरासत का सम्मान नहीं किया। अपने समय में कभी भी विकास के काम को आगे नहीं बढ़ाया। आज जब देश और खासतौर से काशी नगरी विकास के पथ पर अग्रसर है तो तमाम तरह के अड़ंगे लगाए जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर के सुंदरीकरण के दौरान भी कुछ ऐसा ही माहौल बनाया गया था। उस वक्त विरोध करने वाले लोग भी कॉरिडोर में जाकर बाबा विश्वनाथ का सुविधाजनक आशीर्वाद ले रहे हैं। मंदिर से पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिला है, इस बात को हर देशवासी समझ रहा है। सिर्फ कांग्रेस के लोग इसे नहीं समझ पा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने श्रीकाशी विश्वनाथ और काल भैरव मंदिर में दर्शनदृपूजन किया और इसके बाद सीधे सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए। सीएम योगी के संभावित घाट निरीक्षण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। सतुआ बाबा आश्रम से मणिकर्णिका घाट तक रेड कार्पेट बिछाया गया, सुबह से ही यातायात प्रतिबंध लागू किए गए और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थें। घाट और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। हालांकि, तमाम तैयारियों के बावजूद मुख्यमंत्री मणिकर्णिका घाट नहीं पहुंचे। गौरतलब है कि मणिकर्णिका घाट पर अहिल्याबाई की प्रतिमा, मढ़ी और कथित तोड़फोड़ से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर बीते कई दिनों से सियासी माहौल गर्म है। कांग्रेस समेत कई संगठनों ने विरोध दर्ज कराया है। सीएम योगी के मणिकर्णिका घाट पर न पहुंचने को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह–तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

हिंदुओं से एकजुटता और स्वदेशी अपनाने की अपील : मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। छत्रपति संभाजीनगर के गंगापुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन और युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत के भविष्य और हिंदुओं की वैश्विक जिम्मेदारी पर एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की पहचान केवल एक जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि एक विशिष्ट चरित्र है, जिसकी धुरी हिंदू समाज है। भागवत ने कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और सभी को स्वीकार करने वाला रहा है जो रीति–रिवाजों, पहनावे, खान–पान, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को अपनाता है और इन मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। उन्होंने यह बातें मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के गंगापुर में आयोजित 'हिंदू सम्मेलन' में कहीं। भागवत ने कहा, ''अगर भारत में कुछ अच्छा या बुरा होता है, तो हिंदुओं से पूछा जाएगा। भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''जो लोग एकीकरण और सद्भावपूर्ण सह–अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही है। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है।'' उन्होंने कहा कि यदि लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करें, तो देश भी वैश्विक मंच पर इन गुणों को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व भारत से कुछ अपेक्षा रखता है और पर्याप्त शक्ति एवं प्रभाव होने पर देश सार्थक योगदान देने में सक्षम होगा। भागवत ने कहा कि शक्ति में केवल सशस्त्र बल ही नहीं, बल्कि बुद्धि, सिद्धांत और नैतिक मूल्य भी शामिल होते हैं। भागवत ने आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों के उपयोग पर जोर देते हुए कहा, ''हमें स्थानीय वस्तुएं खरीदनी चाहिए। जो चीज यहां नहीं बन सकती, उसे अन्य देशों से खरीदा जा सकता है। भारतीय नीति निर्माता अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर रहे हैं, लेकिन किसी के दबाव में नहीं। हमने आत्मनिर्भरता का मार्ग चुना है और हमें इसी मार्ग पर चलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमें विदेशों में रोजगार सृजन की चिंता नहीं करनी चाहिए। यह उन्हें करना है। जब वैश्वीकरण की बात करते हैं, तो वे वैश्विक बाजार की अपेक्षा रखते हैं,।

शिवसेना को बताया शाह–सेना, अवसरवाद का भी आरोप

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में महायुति की बड़ी जीत के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के मुखपत्र 'सामना' ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी शिवसेना पर करारा हमला बोला है। संपादकीय में शिंदे गुट को शाह–सेना करार देते हुए उस पर अवसरवाद और विचारधारा विहीन राजनीति करने का आरोप लगाया गया है। सामना के संपादकीय में दावा किया गया कि मुंबई समेत 26 नगर निगमों में तथाकथित भाजपा लहर बनाई गई और उसी के सहारे शाह–सेना जैसी अवसरवादी ताकतें सत्ता तक पहुंचीं। लेख में कहा गया कि शिवसेना (यूबीटी)–मनसे गठबंधन ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन सरकार और चुनाव आयोग के कथित मनमाने रवैये ने परिणाम प्रभावित किए। संपादकीय में मतगणना प्रक्रिया को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए। कहा गया कि शुक्रवार देर रात तक गिनती में अनियमितताएं होती रहीं, जबकि भाजपा ने परिणाम पूरी तरह घोषित होने से पहले ही जश्न शुरू कर दिया। इसे महाराष्ट्र और मराठी समाज के लिए चेतावनी बताया गया। सामना ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, इंक स्कैम, ईवीएम में हेरफेर, धन वितरण और फर्जी व दोहरे मतदान के सहारे चुनाव को प्रभावित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत काल पर तंज कसते हुए सामना ने कहा कि न तो चुनाव निष्पक्ष हो रहे हैं और न ही न्याय मिल रहा है। संपादकीय में दावा किया गया कि मतदान के 24 घंटे बाद तक भी आधिकारिक वोटिंग प्रतिशत जारी नहीं किया गया, जबकि भाजपा के पक्ष में एग्जिट पोल टीवी चौनलों पर तब चलाए गए जब मतदाता लाइन में खड़े थे।

पीठासीन अधिकारी लोगों की आवाज के अंतिम संरक्षक होते हैं : राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि विचारों की विविधता के बीच शालीनता और गरिमा के साथ बहस, संवाद और चर्चा को सुगम बनाना विश्वभर की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों की साझा और प्राथमिक जिम्मेदारी है। राधाकृष्णन ने राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन के इतर यहां उनके सम्मान में भोज का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक संविधान सदन (पुराना संसद भवन) साढ़े सात दशकों से अधिक समय से भारत के जीवंत और समृद्ध संसदीय लोकतंत्र का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन राष्ट्रमंडल लोकतंत्रों को एकजुट करने वाले सामूहिक सद्भाव और साझा उद्देश्य की भावना को दर्शाता है। उन्होंने भारत की सभ्यतागत विचारधारा से प्रेरित संवाद, सहयोग और पारस्परिक सम्मान द्वारा एक साथ आगे बढ़ने के महत्व पर जोर दिया। संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन संवैधानिक अधिकारियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए राधाकृष्णन ने विचारों की विविधता के बीच शालीनता और गरिमा के साथ बहस, संवाद और चर्चा को सुगम बनाने की साझा और प्राथमिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। राज्यसभा के सभापति ने कहा कि राष्ट्रमंडल देशों की भौगोलिक स्थिति, संस्कृति और ऐतिहासिक अनुभव भिन्न हैं, फिर भी वे समान संसदीय लोकाचार और लोकतांत्रिक सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता से बंधे हैं।

अमेरिका-पीएके के संयुक्त सैन्य अभ्यास पर भड़की कांग्रेस : जयराम रमेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को अमेरिकी और पाकिस्तानी सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास किए जाने के बाद केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास ने भारत की विदेश नीति की विफलता को उजागर किया है। पाकिस्तान और अमेरिकी सेनाओं ने इंस्पायर्ड गैम्बिट–2026 नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया था। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, स्वयं को विश्वगुरु कहने वाले भारत की आत्मप्रशंसापूर्ण कूटनीति को एक और झटका देते हुए अमेरिकी केंद्रीय कमान ने अभी–अभी एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों ने इंस्पायर्ड गैम्बिट नामक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास पूरा कर लिया है। कांग्रेस सांसद ने अपनी पोस्ट में लिखा, जून 2025 में तत्कालीन अमेरिकी केंद्रीय कमान प्रमुख जनरल माइकल कुनिला ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को एक असाधारण सहयोगी बताया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए अपनी गहरी प्रशंसा बार–बार जताई, जिनकी भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से उत्तेजक टिप्पणियों ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में पाकिस्तान की ओर से रचित आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी। कल ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहराया कि उन्होंने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाने के लिए हस्तक्षेप किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने के अपने दावे को दोहराया। इसके साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कम से कम 1 करोड़ लोगों की जान बचाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया था। ट्रंप ने कहा, एक साल में हमने आठ शांति समझौते किए और गाजा युद्ध खत्म किया। मध्य पूर्व में शांति कायम है। हमने भारत और पाकिस्तान, दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों को आपस में लड़ने से रोका। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने कम से कम 1 करोड़ लोगों की जान बचाई और यह वाकई अद्भुत था।

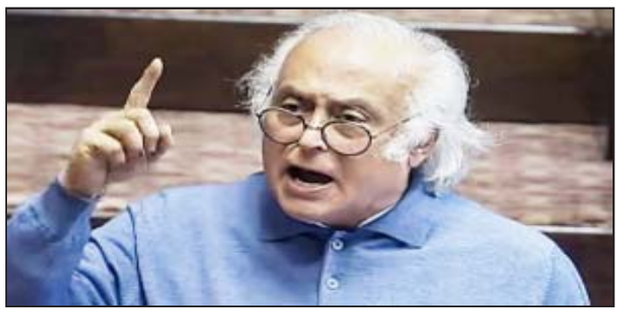

संपादकीय

ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं

जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो डॉनल्ड ट्रंप ने कहा– श्हां, एक चीज है– मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है। जो बातें डॉनल्ड ट्रंप पर बतौर इल्जाम कही जाती थीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब खुद उसकी पुष्टि कर दी है। दो–टूक कहा है कि वे किसी अंतरराष्ट्रीय कानून से बंधे हुए नहीं हैं। उन्होंने सैनिक, आर्थिक या राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करने के मामलों में अपनी पूरी श्स्वतंत्रताश् का एलान किया। कहा कि अपने मकसद को हासिल करने की राह में आने वाली किसी अंतरराष्ट्रीय संधि, कानून, समझौते आदि वे नहीं मानते। जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो उन्होंने कहा– श्हां, एक चीज है– मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है।श्य राजतंत्र के दौर में समझा जाता था कि राजा की सोच या वह जो कहता है, वही कानून है। ताजा टिप्पणियों से ट्रंप ने उस दौर की मान्यता के अनुरूप खुद को विश्व सम्राट के रूप में पेश किया है। इन बातों की रोशनी में वेनेजुएला में उनके प्रशासन ने क्या किया या ग्रीनलैंड में क्या करने का इरादा रखता है, उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद स्थापित हुई नियम आधारित एवं उदार विश्व व्यवस्था के तर्कों से समझने की कोशिश व्यर्थ हो जाती है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि उस समझ के आधार पर होने वाली आलोचनाओं का उनकी निगाह में कोई महत्त्व नहीं है। वे दुनिया को नए युग में ले गए हैं, जो शक्ति के सिद्धांत के प्रेरित है। ट्रंप के आचरण में यह बात पहले से ही साफ नजर आती रही है, मगर अब उन्होंने इनको सैद्धांतिक जामा भी पहना दिया है। संदेश यह है कि ट्रंप सिर्फ ताकत का सम्मान करना जानते हैं। संभवतरू इसीलिए शी जिनपिंग या व्लादीमीर पुतिन का उल्लेख करते हुए वे उतना अपमानजनक लहजा नजरिया नहीं दिखाते, जैसा इजहार दूसरे नेताओं– जिनमें यूरोपीय नेता भी शामिल हैं– के प्रति करते हैं। भारत जैसे देशों को इसका अर्थ समझना चाहिए। उन्हें ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ट्रंप के दौर में अपने हित की रक्षा कैसे की जाए, यह यक्ष प्रश्न उनके सामने खड़ा है।

एआर रहमान ने हिंदी सिनेमा जगत को धर्म के चश्मे से देखकर बड़ी गलती कर दी है

नीरज

संगीत जगत के सबसे प्रभावशाली नामों में शुमार एआर रहमान इन दिनों चर्चा में हैं, लेकिन वजह उनकी कोई नई रचना नहीं, बल्कि वह बयान हैं जिनमें उन्होंने कथित रूप से अपने धर्म के कारण पिछले लगभग एक दशक से हिंदी फिल्म उद्योग में काम कम मिलने का संकेत दिया। जिस तरह से उनके इन बयानों को हिंदी सिनेमा जगत की कई वरिष्ठ और प्रतिष्ठित हस्तियां सिरे से खारिज कर रही हैं, वह साफ करता है कि प्रख्यात संगीतकार ने बॉलीवुड को ध र्म के चश्मे से देखकर एक बुनियादी भूल की है। हिंदी सिनेमा एक ऐसा मंच रहा है जहां पहचान नहीं, बल्कि प्रतिभा निर्णायक रही है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिस उद्योग ने रहमान को सिर आंखों पर बैठाया, उसी के स्वभाव को वह आज तक नहीं समझ पाए, यह हैरानी का विषय नहीं तो और क्या है? हम आपको बता दें कि बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिये गये इस साक्षात्कार में एआर रहमान ने कहा, श्श्फिल्म उद्योग में सत्ता संतुलन बदला है और संभव है कि इसके पीछे कोई साम्प्रदायिक पहलू भी हो, हालांकि यह बात उनके सामने सीधे तौर पर कभी नहीं आई।श्श एआर रहमान के अनुसार उन्हें यह सब सीधे नहीं बताया जाता, बल्कि कानों कान खबर के रूप में पता चलता है। उनका कहना है कि वह काम की तलाश में नहीं रहते, बल्कि चाहते हैं कि उनके काम की सच्चाई खुद काम को उनकी ओर खींच लाए। उन्होंने इसे अपनी आस्था और कार्यशैली से जोड़ा और कहा कि वह जबरन अवसर खोजने में विश्वास नहीं रखते। दिलचस्प बात यह है कि नब्बे के दशक में जब रहमान ने हिंदी फिल्म जगत में कदम रखा, तब उन्हें किसी भेदभाव का अनुभव नहीं हुआ। वह कहते हैं कि शायद उस समय ईश्वर ने ऐसी बातों से उन्हें दूर ही रखा। लेकिन हाल के वर्षों में परिस्थितियां बदली हैं। उनके अनुसार अब निर्णय की शक्ति कई बार ऐसे लोगों के हाथ में है जिनका रचनात्मकता से सीधा संबंध नहीं है। कभी कभी यह भी सुनने में आता है कि किसी परियोजना के लिए उन्हें चुना गया था, लेकिन बाद में संगीत कंपनी ने अन्य संगीतकारों को साथ लेकर काम कर लिया। साक्षात्कार में रहमान ने यह भी कहा कि वे ऐसी फिल्मों से दूरी बनाने की कोशिश करते हैं जिनकी मंशा उन्हें ठीक नहीं लगती। इसी संदर्भ में उनसे हाल में आई एक ऐतिहासिक फिल्म में उनके काम को लेकर सवाल किया गया था। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म विभाजन की भावना पर आधारित लग सकती है, लेकिन उनका मानना है कि इसका मूल उद्देश्य साहस और शौर्य को दिखाना था। उन्होंने यह भी कहा कि दर्शक इतने समझदार हैं कि वह सच्चाई और चालाकी में फर्क कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म जो छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है, फरवरी 2025 में प्रदर्शित हुई और ऐतिहासिक तथ्यों को लेकर तीखी बहस के बावजूद व्यापारिक रूप से अत्यंत सफल रही। इसकी कुल कमाई लगभग सात सौ करोड़ रुपये बताई गई। दूसरी ओर, रहमान की टिप्पणी ने कला जगत में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। वरिष्ठ गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने इस विचार से असहमति जताई है। उनका कहना है कि उन्होंने कभी ऐसा माहौल महसूस नहीं किया। जावेद अख्तर ने कहा कि मुंबई में रहमान को अपार सम्मान मिलता है लेकिन कई छोटे निर्माता उनसे संपर्क करने में हिचकिचाते हैं। उनका मानना है कि रहमान की व्यस्त अंतरराष्ट्रीय जीवनशैली भी काम कम होने का एक कारण हो सकती है, न कि कोई साम्प्रदायिक तत्व। वहीं लेखिका और स्तंभकार शोभा डे ने रहमान की टिप्पणी को खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों के अनुभव में उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग को प्रतिभा के आधार पर चलने वाला क्षेत्र पाया है, जहां ध र्म आड़े नहीं आता। गायक शान ने भी इसी तरह की राय रखते हुए कहा कि काम मिलना या न मिलना व्यक्तिगत परिस्थितियों और पसंद नापसंद पर निर्भर करता है। ऐसी ही टिप्पणियां कई अन्य कलाकारों की भी रहीं। देखा जाये तो एआर रहमान की यह आशंका कि हिंदी फिल्म उद्योग में उनके लिए अवसर कम होने के पीछे कोई साम्प्रदायिक कारण हो सकता है, न केवल कमजोर तर्क पर आधारित दिखती है बल्कि बॉलीवुड के लंबे इतिहास और वर्तमान सच्चाई से भी मेल नहीं खाती। हिंदी सिनेमा की बुनियाद ही विविधता, समावेश और प्रतिभा की स्वीकृति पर टिकी रही है। यहां धर्म नहीं, बल्कि दर्शकों से जुड़ने की क्षमता और काम की गुणवत्ता निर्णायक रही है। अगर बॉलीवुड में सचमुच धर्म के आधार पर भेदभाव होता, तो यह कल्पना भी संभव नहीं होती कि पिछले तीन दशकों से उद्योग के सबसे बड़े सितारे तीन मुसलमान कलाकार होते। शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान न केवल व्यावसायिक सफलता के शिखर पर हैं, बल्कि उन्हें देश के हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र से अपार प्रेम मिला है। उनके प्रशंसकों की संख्या लगातार बढ़ती रही है और उनकी फिल्मों ने सैंकड़ों करोड़ रुपये

का कारोबार किया है। यह तथ्य अपने आप में इस धारणा को खारिज करने के लिए पर्याप्त है कि बॉलीवुड में ध र्म किसी कलाकार की राह रोकता है। हिंदी फिल्म उद्योग में संगीत, लेखन, अभिनय और निर्देशन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में अनगिनत उदाहरण हैं, जहां कलाकारों को उनकी पहचान या आस्था के कारण नहीं, बल्कि उनके हुनर के कारण स्वीकार किया गया। जावेद अख्तर, सलीम खान, मजरूह सुल्तानपुरी और नौशाद जैसे नाम इस बात की गवाही देते हैं कि यह उद्योग प्रतिभा को सिर आंखों पर बैठाता है। एआर रहमान निस्संदेह एक महान संगीतकार हैं और उनके योगदान पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता। लेकिन बदलते दौर में काम की मात्रा कम या ज्यादा होना कई व्यावसायिक और रचनात्मक कारणों से जुड़ा हो सकता है। इसे सीधे साम्प्रदायिक नजरिये से देखना न तो उद्योग के साथ न्याय करता है और न ही स्वयं रहमान की उस वैश्विक छवि के साथ, जो संगीत को सीमाओं और पहचानों से परे मानती है। आज जरूरत इस बात की है कि ऐसे कयासों की बजाय आत्मविश्लेषण और बदलती कार्यप्रणाली को समझा जाए। बॉलीवुड को संदेह के कटघरे में खड़ा करने की बजाय, रहमान जैसे कलाकारों को अपनी ही विरासत पर भरोसा रखना चाहिए। यह उद्योग आज भी उसी सिद्धांत पर चलता है जिस पर वह दशकों से चलता आया है यानि प्रतिभा ही सबसे बड़ा धर्म है।

ईरान में न अमन, न चैन

डॉ. सुधीर सक्सेना

ईरान अशांत है। वह फिलवक्त दो पाटों में फंसा हुआ है। एक ओर तो घरेलू मोर्चे पर देगची में असंतोष खलभला रहा है, दूसरी ओर लंबे अर्से से आर्थिक–पाबंदियां झेल रहे ईरान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की श्कभी भी कार्रवाईश् की धमकी ने सांसत में डाल दिया है। यद्यपि ईरान ने युद्ध के लिये तैयार रहने और आक्रमण होने पर करारा जवाब देने की बात कही है, अलबत्ता उसने अमेरिका के साथ वार्ता के लिये भी तत्परता दर्शायी है। गौरतलब है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच दौत्य–संबंध नहीं है और उनके बीच संदेशों के आदान–प्रदान का दायित्व स्विस–दूतावास निभा रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघायेई का कहना है कि मध्यपूर्व के लिये ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत स्टीव विटकोफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरघची के बीच संचार–प्रणाली चालू है और पड़ने पर संदेशों का आदान–प्रदान जारी है। सोमवार 12 जनवरी को ईरानी विदेशमंत्री यह कहते हुये उद?धृत किये गये कि ईरान ने युद्ध के साथ–साथ वार्ता के लिये अपने दरवाजे खुले रखे हैं। उनके इस बयान को तेहरान की मनरूस्थिति के परिचायक के तौर पर देखा जा सकता है। यह इस बात का द?योतक है कि तेहरान जंग की बात भले ही कहे, लेकिन गहन आंतरिक असंतोष के इस कठिन दौर में वह अपनी ओर से जंग के लिये अनिच्छुक है और जैसे भी हो वह जंग को टालना चाहेगा। ईरान के इस्लामी गणतंत्र के लिये मुसीबतों का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां करीब एक पखवाड़े से उग्र प्रदर्शनों का तांता लगा हुआ है। 28 दिसंबर से शुरू हुये उन प्रद?र्शनों पर काबू पाने के लिये पुलिस को जगह–जगह गोलियां चलानी पड़ी है। इसके फलस्वरूप अब तक 646 लोगों की जान जाने की खबर है। इनमें 505 प्रदर्शनकारियों, 113 सुरक्षाकर्मियों और सात तमाशबीनों का समावेश है। इसके अलावा 579 मौत की पुष्टि होना अभी शेष है और उनकी तफ्तीश की जा रही है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों के प्रति कड़ाई बरतने के संकेत दिये हैं और एक पखवाड़े की अवधि में दस हजार से अधिक ईरान को गिरफ्तार किया है। इन दिनों घड़ी सुइयां तेजी से घूम रही है। शनिवार को तेहरान् में ईरान ने ब्रिटिश राजदूत को तलब किया और ब्रिटेन के विदेश मंत्री के ईरान को लेकर बयान के जरिये दखलंदाजी पर नाराजगी का इजहार किया। साथ ही इस वाकये पर भी अप्रसन्नता व्यक्त की गयी, जिसमें लंदन में एक युवक ने ईरान के दूतावास पर लगा ईरानी झंडा हटाकर वहां सन 1979 की इस्लामी क्रांति के पूर्व प्रयुक्त झंडे से मिलता जुलता ध्वज फहरा दिया। ब्रिटेन ने अधिकारिक तौर पर इस बाबत कोई वक्तव्य जारी नहीं किया है। इस उस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कली बाफ ने वाशिंगटन को चेतावनी दी कि वह ईरान को कमजोर समझने की गलती नहीं करे। ईरान की क्रांतिकारी गारद के मुखिया रह चुके कुली बाफ ने तुर्श लहजे में कहा कि ईरान पर हमले की हालत में इस्रायल तथा अमेरिका के सभी अड्डे और जलपोत हमारे निशाने पर होंगे। ईशन पर विश्व राजनय की दशा और दिशा को संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव अंतोनियो गुटर्रेस के उस बयान से भी समझा जा सकता है, जिसमें उन्होंने ईरान में आंतरिक हिंसा से स्तब्ध होने और ईरानी सरकार से हिंसा के बजाय संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण इकत्रा होने और प्रदर्शन का सम्मान किया जाना चाहिये। प्रदर्शन और दमन की खबरों के बीच शनिवार को इस्रायल के प्रधानमंत्री वेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो ने फोन पर बातचीत की। रिपब्लिकन सिनेटर रैंड पॉल और डेमोक्रेट सिनेटर मार्क वानर ने ईरान पर अमेरिकी सैन्य आक्रमण की संभावना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी हमले की स्थिति में ईरानी आवाम हमले के खिलाफ एकजुट हो जायेगा। विशेषज्ञों का मत है कि इससे ईरानी सरकार को असंतोष पर काबू पाने में मदद मिलेगी। मत–मतांतरों के कुहासे में अब लोगों की नजर मंगलवार को राष्ट्रपति की अमेरिकी सांसदों व सलाहकारों से मुलाकाता के नतीजों पर है। उधर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने स्पष्ट शब्दों में अमेरिका और इस्रायल पर ईरान में अस्थिरता का जाल बुनने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ईरान के दुश्मनों ने आतंकवादियों को उकसाया है और ये दहशतगर्द मस्जिदों, बैंकों और सार्वजनिक संपत्ति को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने ईरानी अवाम से दंगाइयों से दूर रहने की अपील करते हुये ।

परंपरागत ज्ञान से पर्यावरण बचाने की राह

बाबा मायाराम

लोकविज्ञान चाहे वह खेती व सिंचाई से संबंधित हो या जंगल में पाए जाने वाले औषधि या पौधे हों, आज भी वृद्ध लोगों के पास सुरक्षित है। स्थानीय और परंपरागत ज्ञान आज पर्यावरण व जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन में महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके साथ आधुनिक ज्ञान को सीखकर, दोनों के मेल से पर्यावरण व जैव विविधता का संरक्षण किया जा सकता है। मौजूदा समय में देश और दुनिया में पर्यावरण संकट की चर्चा चल रही है। यह वैश्विक समस्या है, लेकिन स्थानीय स्तर पर भी कुछ किया जा सकता है। इसमें ऐसे समुदाय जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहते आए हैं, उनके परंपरागत ज्ञान काफी सहायक हो सकता है। मैंने लम्बे अरसे से देश भर में घूम–घूमकर ऐसे समुदायों से बातचीत की है, और उसके आधार पर रिपोर्टिंग की है। आज इस कॉलम में इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे स्थानीय समुदायों के परंपरागत ज्ञान को समझा जा सके और उसके साथ आधुनिक ज्ञान को जोड़कर समस्याओं का समाध ान किया जा सके। पर्यावरण और समुदायों की आजीविका की रक्षा की जा सके।अक्सर, जब कभी हम इतिहास की बात करते हैं, तब हम यह सोचते हैं कि यह मोटी–मोटी किताबों, दस्तावेजों, और पुस्तकालय के ग्रंथों में मिलेगा। लेकिन यह तो हमारे आसपास और परिवेश में भी है। हमें सिर्फ बुजुर्ग और अनुभवी लोगों से सवाल पूछना है और वे हमें बताएंगे, अपने प्रत्यक्ष अनुभव सुनाएंगे, कबीर की तरह आंखों देखी बताएंगे। वे सुनी–सुनाई बातें ही नहीं, आपबीती बताएंगे। याददाश्त के आधार पर बचपन और अपने काम–धंधे से जुड़े व अपने जमाने के किस्से बताएंगे। इसे मौखिक इतिहास व मौखिक ज्ञान भी कह सकते हैं। और यह सब आंचलिक स्थानीय भाषा में ही उपलब्ध है और उसे साक्षात्कार और बातचीत के माध्यम से जाना जा सकता है।बरसों से खेती करने वाले किसान हमें बताएंगे यहां परंपरागत खेती–किसानी कैसी थी, क्या–क्या फसलें उगाई जाती थीं, कब बोई जाती थीं, किस तरह की मिट्टी मे बोई जाती थी, उसके तरीके क्या थे? हल–बक्खर कब चलाना है, बोवनी कब करनी है। जब सिंचाई की व्यवस्था नहीं हुआ करती थी तब कौन सी फसलें उगाई जाती थीं? सिंचाई आने के बाद फसलचक्र में क्या बदलाव आया? वे बताएंगे, बीमार आदमी का इलाज कैसे किया जाता है, किसी की अगर हड्डी टूट जाती है तो कौन सी जड़ी लगाई जाती है, हंसिया या कुल्हाड़ी की चोट पर कौन से पेड़ की छाल पीसकर लगाते हैं?वे बताएंगे कि बारिश कम क्यों होती है? पहले झड़ी लगती थी और अब क्यों पानी नहीं गिरता? सदानीरा नदियों का पानी क्यों सूख गया? बारहमासी नदियां अब बरसाती नालों में कैसे बदल गई? वे साल दर साल क्यों दम तोड़ रही हैं? ज्यादा कुरेदेंगे तो वे यह भी बता सकते हैं ये सूखी नदियां पुनर्जीवित कैसे हो सकती हैं? भूजल क्यों टाइम बम की तरह नीचे चला जा रहा है? ऐसी कई जानकारियां आपको अपने इलाके के बारे में सहज ही मिल जाएगी।हमें ऐसे ढेरों किस्से मिल जाएंगे जिनसे हम अनजान थे। हमें लोकविद्या के ऐसे कई सूत्र हाथ लग जाएंगे, जिससे हम अपना जीवन संवार सकते हैं, बेहतर कर सकते हैं, परिवेश बदल सकते हैं। क्योंकि आधुनिक रासायनिक खेती मुनाफे से संचालित है, जबकि परंपरागत खेती भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए विकसित हुई थी। उसके तौर–तरीके किसानों ने ही विकसित किए थे। यह सब हमें किसी खेत की मेढ़ पर या किसी पेड़ की छांव में बैठकर बतियाते पता चल सकता है। इस मामले में हम अपने आपको खुशकिस्मत समझेंगे कि हमारे देश के किसान या बुजुर्ग थोड़ी–बहुत पहचान के बाद उनके दुख–दर्द, अनुभव और आपबीती बिना झिझक के बताते हैं। वे धाराप्रवाह बताते चले जाते हैं कि हमें ऐसा लगेगा ही नहीं कि हम उनसे पहली बार बात कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम नाम है) जिले में पिछले कुछ वर्षों से जनजीवन से सीधे जुड़े जनमुद्दों पर मैंने गांव के कई लोगों से बातचीत की है। यह बातचीत स्थानीय भाषा बुंदेली (जो बुंदेली का रूप इस इलाके में बोला जाता है) में की गई। यह सहज संवाद नहीं, साक्षात्कार था जिसमें मुद्दों का एक फेमवर्क होता है और बातचीत आगे बढ़ती जाती है। लेकिन कभी–कभी मुझे प्रश्नावली को एक तरफ उनकी ही किसी बात के सिरे को पकड़कर आगे बात करनी पड़ती है। ये मुद्दे थे– खेती–किसानी, आदिवासी और विस्थापन पर्यावरण–जल, जंगल, स्थानीय समुदायों की आजीविका इत्यादि। इस बातचीत पर आधारित लेख भी लिखे।इस समय खेती–किसानी पर अभूतपूर्व संकट मंडरा रहा है। बार–बार किसान फसलचक्र बदल रहे हैं। कभी सोयाबीन तो कभी गन्ना। सोयाबीन में लगातार घाटा हो रहा है। पहले सोयाबीन यहां काफी फला–फूला है, लेकिन अब लगभग न के बराबर है। एक–दो सालों से गन्ने की ओर किसान मुड़े लेकिन समय पर उचित दाम नहीं मिलने से किसानों को निराशा ही हाथ लगी। मैदानी क्षेत्र में पहले की हल–बैल की खेती की जगह ट्रेक्टर से खेती हो रही है। हारवेस्टर से कटाई हो रही है जिससे लोगों का रोजगार भी प्रभावित हुआ है। जबकि जंगल क्षेत्र में अब भी किसान अपनी हल–बैल और कुछ हद तक देसी बीजों की खेती कर रहे हैं। यहां खेती बारिश पर निर्भर है यानी सूखे की खेती है। इस इलाके में उतेरा या गजरा पद्धति प्रचलन में है। इसके तहत किसान एक साथ चार–पांच फसलों को मिलाकर बोते हैं। जैसे धान के साथ तुअर, तिल्ली, ज्वार इत्यादि। किसानों का कहना है कि अगर हमारी एक फसल मार खा जाती है तो दूसरी से इसकी कमी पूरी हो जाती है। कई फसलें एक साथ बोने से पोषक तत्वों का चक्र बराबर चलता रहता है। अनाज के साथ फलियां बोने से नत्रजन आधारित बाहरी निवेशों की जरूरत कम पड़ती है।

ममदानी की जीत में भारत के लिए संदेश

डॉ. मलय

अपनी वैचारिक घोषणाओं में ममदानी एक उदार समाजवादी मोर्चे के नजदीक हैं। यह एक बहुसंख्यकवादी राज्य को निरंकुशता की ओर खिसकने से रोकने के खिलाफ एक बहुत ही जरूरी रामबाण उपाय है जिसने पिछले एक दशक में लोकतांत्रिक भारत को बदल दिया है। शक्तिशाली और विरोध ी वैचारिक गुटों के बीच उभरी दुनिया में अहिंसक स्वतंत्रता संग्राम से स्थापित अपनी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक साख वाले भारत को एक ममदानी की जरूरत है।जोहरान ममदानी ने मैनहट्टन के एक बंद पड़े सबवे में संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण शहर न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में पद की शपथ ली। सबवे में शपथ लेना एक तरह से शहर के श्रमिकों और हाशिए पर रहने वाले लोगों के साथ ममदानी के संबंधों का प्रतीक है। उन्हें डेमोक्रेटिक सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने शपथ दिलाई जो अमेरिकी राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और लोकतांत्रिक समाजवाद के पथप्रदर्शक हैं। उनके साथ कांग्रेस सदस्य एलेजेंड्रिया कोर्टेज भी थीं।भारतीय मीडिया में उनके ऐतिहासिक शपथ ग्रहण के बारे में शायद ही कोई कवरेज था और न ही इस बात का जिक्र था कि ममदानी के चुनाव का अमेरिकी राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 34 वर्षीय राजनेता ने श्बिग एप्पलश् (न्यूयार्क शहर का उपनाम) का प्रभार संभालने में कई वर्जनाओं को तोड़ दिया जो कि अभिजात वर्ग, अमीरों व अरबपतियों और अमेरिकी यहूदियों का गढ़ है। हालांकि ममदानी और उनकी जीत का भारत में ज्यादा जिक्र नहीं हो रहा है। अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और दो बार के डेमोक्रेट गवर्नर एंड्रयू कुओमो को 50 प्रतिशत से अधिक वोटों से हराकर शानदार जीत हासिल करने के बावजूद सरकार ने अपने मीडिया संचालकों के माध्यम से ममदानी को गायब करने की कोशिश की। नस्ल, ध र्म, जातीयता व आर्थिक पृष्ठभूमि से ऊपर उठकर और बड़े पैमाने पर आप्रवासी टैग वाले दस लाख से अधिक न्यूयॉर्क वासियों ने दुनिया भर में हलचल पैदा करने वाले एक अभूतपूर्व चुनाव में उनके लिए मतदान किया था। यह केवल उनका गृह देश भारत है जिसने अपने 34 वर्षीय बेटे को उसकी अभूतपूर्व जीत पर सलाम नहीं किया जो एक असेंबली सदस्य से अमेरिका के सबसे अमीर शहर का नेतृत्व करने के लिए उभरा है।ममदानी के पास ऐसी कई बातें हैं जो पहली बार हुई हैं। मसलन, एशियाई व अफ्रीकी मूल के पहले अमेरिकी, पहले मुस्लिम और न्यूयॉर्क के सबसे कम उम्र के मेयर। वे श्सलाम बॉम्बेश, श्मानसून वेडिंगश और श्नेमसेकश जैसी फिल्मों के साथ विश्व स्तर पर प्रशंसित फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। महमूद ममदानी की किताब श्गुड मुस्लिम बैड मुस्लिमश हफ्तों तक न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलर बनी रही जो 9ध11 के हमले के तुरंत बाद प्रकाशित हुई थी। जोहरान ने कभी भी कुलीन विरासत में पैदा होने का आदर्श नहीं माना है। यह देखते हुए कि न्यूयॉर्क अपनी धरती पर 150 से अधिक राष्ट्रीयताओं की मेजबानी करता है, उन्होंने अप्रवासियों के मुद्दे को उठाया है। धर्मनिरपेक्ष और उदारवादी विचारधारा के ममदानी ने खुद को हर न्यू यॉर्कर की दुर्दशा की परवाह करने वाला दिखाया है। यह देखते हुए कि अमेरिका–इजरायल पब्लिक अफेयर्स कमेटी (एआईपीएसी) अमेरिका का सबसे बड़ा इजरायल समर्थक लॉबिंग समूह और न्यूयॉर्क यहूदी फाऊंडेशन ने एंड्रयू कु ओमो के समर्थन में सक्रिय भूमिका निभाई थी, ममदानी ने फिलिस्तीनियों के नरसंहार में नेतन्याहू की भूमिका की आलोचना करने के बाद यहूदी विरोधी भावना के आरोपों से खुद को जल्दी ही दूर कर लिया है। हालांकि चुनाव परिणामों में यहूदी वोटों का विभाजन भी देखा गया, युवा पीढ़ी ममदानी के पक्ष में थी जबकि पुराने, हसीदिक और धनी यहूदी एंड्रयू कुओमो के लिए सामूहिक रूप से मतदान कर रहे थे।राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा ममदानी की सार्वजनिक तौर पर की गई तीव्र निंदा, संघीय धन में कटौती करने की धमकी और खुलेतौर पर डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी कुओमो का समर्थन करने के बावजूद ममदानी की बढ़ती लोकप्रियता में शायद ही कोई सेंध लगी। ममदानी को मार्क्सवादी और राष्ट्र–विरोधी बताते हुए ट्रम्प ने ममदानी के राजनीतिक कैरियर को शुरू होने से पहले ही खत्म करने की कोशिश की। वैसे न्यूयार्क के मेयर ने एक शिष्टाचार बैठक में व्हाइट हाउस में उपस्थित होकर पांसा पलट दिया और सभी न्यूयॉर्कवासियों के हितों को हासिल करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य तथा मुफ्त परिवहन और बच्चों की देखभाल, किफायती आवास तथा सरकार द्वारा संचालित किराने की दुकानें प्रदान करने पर जोर दिया जैसा कि उन्होंने अपने चुनाव अभियान में वादा किया था। आश्चर्यजनक रूप से और शायद जनता के मूड को देखते हुए ट्रम्प ने पाला बदल लिया तथा ममदानी को सभी प्रकार के समर्थन का आश्वासन दिया। इस घटना ने वैचारिक रूप से विभाजित दक्षिणपंथी और वामपंथी राजनेताओं के विरोधाभासी चित्रों को दिखाया। एक, जो मतलबी दिमाग, प्रतिशोधी, अप्रत्याशित है और दूसरा, जो चुनौती देने वाला, प्रतिबद्ध तथा निडर है। दक्षिण अमेरिका में मौजूदा उथल–पुथल में ट्रम्प ने सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों की अवहेलना की और एक संप्रभु देश वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति और उनकी पत्नी पर श्कब्जाश् कर लिया। अमेरिकी प्रणाली सचमुच ढह गई। मीडिया ने घातक चुप्पी साध ली और सत्ता के इस घोर दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस एवं सुप्रीम कोर्ट बेआवाज हो गया। ऐसी स्थिति में आक्रामकता के इस निर्लज्ज कृत्य को श्युद्ध की घोषणाश बताते हुए निंदा करने के लिए ममदानी खड़े हुए।अपने मुखर विचारों के लिए परिचित ममदानी ने खुद को जन–समर्थक विचारधारा के पक्ष में स्थापित किया है। ममदानी ने नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन्हें श्फासीवादीश कहा है। फिलिस्तीनियों की अपनी धरती पर एक शांतिपूर्ण मातृभूमि के अधिकार का आह्वान करते हुए ममदानी ने इजरायली पीएम

नेतन्याहू को न्यूयॉर्क में कभी भी न आने की चेतावनी दी क्योंकि वे नेतन्याहू को हजारों असहाय फिलिस्तीनी महिलाओं, बच्चों, बूढ़ों और बीमारों के नरसंहार के लिए श्मानवता के खिलाफ अपराधश करने के लिए गिरफ्तार करेंगे। ममदानी के पिता कच्छी गुजराती हैं जबकि मां हिंदू पंजाबी हैं। जोहरान एक सीरियाई मुस्लिम से विवाहित हैं। इस प्रकार वे विश्व बंधुत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं जो उनके स्पष्ट उदारवादी विचारों में प्रतिध्वनित होता है। इसके बावजूद उन्होंने अपने मुस्लिम वंश की पुष्टि करने के लिए ऐतिहासिक पुराने कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली थी। ममदानी ने न्यूयॉर्क के सभी पांच नगरों में बड़ी संख्या में मुसलमानों से मुलाकात की थी और उनके लगभग सर्वसम्मत वोट हासिल किए थे। अपनी वैचारिक घोषणाओं में ममदानी एक उदार समाजवादी मोर्चे के नजदीक हैं। यह एक बहुसंख्यकवादी राज्य को निरंकुशता की ओर खिसकने से रोकने के खिलाफ एक बहुत ही जरूरी रामबाण उपाय है जिसने पिछले एक दशक में लोकतांत्रिक भारत को बदल दिया है। शक्तिशाली और विरोधी वैचारिक गुटों के बीच उभरी दुनिया में अहिंसक स्वतंत्रता संग्राम से स्थापित अपनी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक साख वाले भारत को एक ममदानी की जरूरत है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बिना किसी कॉर्पोरेट या राजनीतिक समर्थन पर निर्भर रहे बल्कि सिर्फ आम लोगों के समर्थन पर अपने सभी विरोधियों को हराकर अमेरिकियों की नई पीढ़ी के सबसे युवा नेता के रूप में उभरे ममदानी ने नेहरू के प्रतिष्ठित श्ट्रिस्ट विद डेस्टिनीश भाषण को उद्धृत करने का फैसला किया। राजनीतिक विश्लेषक सुनील खिलनानी ने श्द आइडिया ऑफ इंडियाश में लिखा है– श्आधुनिक भारतीय राजनीति अपनी प्रतिमा के लिए राष्ट्रवादी शीर्षस्थ नेताओं की छवि को लूटना जारी रखती है जबकि अपने व्यावहारिक संघर्षों में यह राष्ट्रवादी दुनिया और अपने विशिष्ट स्वभाव से दूर और दूर जाती है।

राष्ट्र निर्माण की नींव युवाओं के संस्कार और अनुशासन में निहित : सुनील आंबेकर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,19 जनवरी । यूपी के जौनपुर में स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर संघ की 100 वर्षों की यात्रा को दर्शाती एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक देखा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की नींव युवाओं के संस्कार, अनुशासन और सतत अभ्यास में निहित है। आयुर्वेद, विज्ञान और योग जैसी भारतीय परंपराएँ मानव सभ्यता की सबसे प्राचीन धरोहर हैं, जिन्हें आज 21वीं सदी में पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। योग भले ही हजारों वर्ष पुराना हो, लेकिन आज विकसित देशों को भी इसकी आवश्यकता महसूस हो रही है। यह भारत की उस सांस्कृतिक चेतना का प्रमाण है, जो सदैव विश्व कल्याण की भावना से प्रेरित रही है। उन्होंने कहा कि अच्छा नागरिक और देश के लिए उपयोगी व्यक्ति बनने की प्रक्रिया बचपन से ही प्रारंभ होती है। अचानक जागकर कोई भी महान नहीं बनता, इसके लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और संस्कार आवश्यक होते हैं। उन्होंने युवाओं की उस सोच पर भी प्रकाश डाला कि "मैं अकेला सही बनकर क्या कर लूँगा", और कहा कि इतिहास गवाह है कि जब कोई व्यक्ति अकेले सही मार्ग पर चलता है, तो वही मार्ग आगे चलकर समाज का मार्ग बन जाता है। सुनील आंबेकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए पाँच आयामों पर कार्य कर रहा हैकृसामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी भाव का जागरण तथा नागरिक कर्तव्यों का बोध। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज का युवा ऊर्जावान, तेजस्वी और नवाचार से भरा हुआ है। लेकिन युवा शक्ति को सही दिशा देने के लिए मूल्यबोध और उद्देश्य अत्यंत आवश्यक हैं। जब जीवन का लक्ष्य केवल "स्व" तक सीमित रहता है, तो उपलब्धियाँ भी सीमित होती हैं, जबकि लक्ष्य में "राष्ट्र" जुड़ने से जीवन स्वयं सार्थक बन जाता है। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं अतिथियों का स्वागत प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन विभाग कार्यवाह डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से मुख्य वक्ता से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर मंच पर काशी प्रांत के प्रांत संचालक अंगराज, प्रांत प्रचारक रमेश, सह प्रांत प्रचारक सुनील, प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचंद्र, विभाग प्रचारक आदित्य, अमरजीत, डॉ. महेंद्र, प्रो. एच सी पुरोहित, प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव,डॉ. मनीष गुप्ता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक मे सीडीओ ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न विकास योजनाओं एवं विभागीय प्रगति की समीक्षा बैठक मुख्य विकास अधिकारी श्री कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में जनपद की रैंकिंग, योजनाओं की अद्यतन स्थिति, लंबित प्रकरणों तथा विभागवार प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक मे अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं समाज कल्याण विभाग से दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी प्राप्त आवेदनों का सत्यापन शीघ्र पूर्ण कराया जाए। एनआरएलएम की समीक्षा करते हुए ग्राम निधि में प्रगति लाने तथा लंबित प्रकरणों की संख्या कम करने के निर्देश दिए गए।डीडी पर्यटन को निर्देशित किया गया कि पर्यटन विभाग की लंबित योजनाओं का कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। लोक निर्माण विभाग से सेतु निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए व्यय के सापेक्ष कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नई सड़कों के निर्माण की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया गया कि जो कार्य पूर्णता की स्थिति में हैं, उन्हें शीघ्र पूर्ण कर मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर अद्यतन कराया जाए, जिससे जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके।उद्योग विभाग को निर्देशित किया गया कि टूल किट वितरण में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में जोड़ों के आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, सामग्री की गुणवत्ता तथा जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किए जाने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया गया कि जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों को समय से योजना का लाभ दिया जाए।जिला प्रोबेशन अधिकारी को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक योजना का लाभ पहुँचाने, सत्यापन में पूर्ण पारदर्शिता रखने तथा कैंप लगाकर अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित समस्त सूचनाएं समयबद्ध एवं शत–प्रतिशत अद्यतन रखी जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिक योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा जिन विभागों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वे तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा और संघ हिंदुत्व के नाम पर जनता को गुमराह कर रहे हैं : प्रमोद सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में काशी के मणिकर्णिका घाट पर हिंदू देवी–देवताओं की मूर्तियों, प्राचीन मंदिरों और अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को तोड़े जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जुलूस निकाला और नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरना दिया। धरना–प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ हिंदुत्व के नाम पर जनता को गुमराह कर रहे हैं। पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के इशारे

पर काशी की प्राचीन धरोहरों, मंदिरों और पूज्य माता अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति को तोड़कर भाजपा सरकार ने सनातन धर्म का अपमान किया है। डॉ. सिंह ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर धरोहरों को तोड़ना धर्म की आस्था के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से हिंदू धर्म की भावनाओं को कुचलना तानाशाही नीति को दर्शाता है। डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने काशी के वैश्विक और प्राचीन महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की नगरी में प्राचीन मणिकर्णिका घाट हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की ष्तथाकथित हिंदूवादी बुलडोजर सरकारष द्वारा काशी में धार्मिक स्थलों पर बुलडोजर चलाने को अस्वीकार्य बताया और कहा कि इससे पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, पंकज सोनकर, देवराज पांडेय, विनय तिवारी, डॉ. राकेश मिश्रा, मंगला गुरु, राकेश मिश्रा, शेर बहादुर सिंह, राकेश सिंह डब्बू, शैलेन्द्र यादव सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अयोध्या में नाविकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या में लगातार बढ़ती पर्यटक संख्या और सरयू नदी में नौकायन के प्रति बढ़ती रुचि को देखते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने नाविकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (15 से 17 जनवरी) आयोजित किया। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अयोध्या के होटल साकेत में आयोजित किया गया है और इसका उद्देश्य नाविकों को डिजिटल पेमेंट, स्टोरीटेलिंग, आपदा प्रबंधन और आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार के लिए तैयार करना है।

भाजपा और गठबंधन की प्रचंड जीत में उत्तर भारतीय समाज की भूमिका निर्णायक रही है : कृपा शंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,19 जनवरी । यूपी के जौनपुर में महाराष्ट्र की राजनीति जानकार एवं पूर्व गृह राज्यमंत्री वरिष्ठ बीजेपी नेता कृपाशंकर सिंह ने मुंबई बीएमसी चुनाव में भाजपा और गठबंधन की जीत के बाद सोमवार को जौनपुर में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने चुनाव में हुई इस जीत का श्रेय उत्तर भारतीय समाज को दिया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। कुल्हनमऊ स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कृपाशंकर सिंह ने कहा कि मुंबई (बीएमसी) चुनावों में भाजपा और गठबंधन की प्रचंड जीत में उत्तर भारतीय समाज की भूमिका निर्णायक रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, ष्मुंबई में रहने वाले उत्तर भारतीय अब केवल श्रमिक नहीं, बल्कि एक बड़ी राजनीतिक ताकत बन चुके हैं। उनकी एकजुटता ने यह साबित कर दिया है कि वे विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति के साथ हैं।ष सिंह ने जौनपुर सहित पूरे उत्तर प्रदेश के उन परिवारों का आभार व्यक्त किया, जिनके सदस्य मुंबई में रहकर वहां की अर्थव्यवस्था और राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। पूर्व गृह राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार का प्रभाव अब देश के हर कोने में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने जौनपुर के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सिंह ने स्पष्ट किया कि भले ही वे महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय हैं, लेकिन जौनपुर की मिट्टी से उनका जुड़ाव हमेशा बना रहेगा। कार्यक्रम के अंत में, कृपाशंकर सिंह और ओम प्रकाश सिंह ने उपस्थित सभी पत्रकारों और जनपदवासियों को नव वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

छात्रों के स्टार्टअप को बाजार में सफल बनाने के दिए टिप्स

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में स्टार्टअप कैपेसिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम में शुक्रवार को छात्रों को अपने स्टार्टअप को बाजार में सफल बनाने के टिप्स दिए गए। विश्वविद्यालय के कलाम इनक्यूबेशन सेंटर में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर हुए कार्यक्रम में नितीश गुप्ता जनरल मैनेजर (सेल्स एंड मार्केटिंग) हाइडेलबर्ग सीमेंट इंडिया लिमिटेड ने छात्रों को इसके बारे में जानकारी दी। "मार्केट टू मनीरू सेल्स एंड मार्केटिंग फॉर स्टार्टअप एंड स्टूडेंट एंटरप्रेन्योर्स" विषयक कार्यक्रम में नितीश गुप्ता ने बाजार को समझने, उपभोक्ता आधारित सेटअप, उत्पाद बेचने की प्रक्रिया, ब्रांड पोजिशनिंग, मूल्य रणनीति, बाजार में जाने का प्लान तथा सस्टेनेबल रेवेन्यू मॉडल डेवलपमेंट जैसे विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने स्टार्टअप्स व छात्र उद्यमियों के लिए मार्केटिंग के महत्व से जुड़े विभिन्न पहलुओं को विशेष रूप से स्पष्ट किया। कार्यक्रम में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स, स्टूडेंट एंटरप्रेन्योर्स तथा नवाचार में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों ने अपने सवालों के जवाब लिए। इस अवसर पर कलाम इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशकद्वय प्रो. राजीव कुमार व डॉ. अनुज कुमार शर्मा, महीप सिंह सीईओ, इनोवेशन हब फाउंडेशन, अनुराग त्रिपाठी असिस्टेंट मैनेजर, कलाम इनक्यूबेशन सेंटर आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सर्वधर्म समरसता सम्मेलन 23 को

लखनऊ, (संवाददाता)। सर्वधर्माय संस्थानम की ओर से 23 जनवरी को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह होने वाले सर्वधर्म समरसता सम्मेलन की शुक्रवार को तैयारी बैठक इंदिरानगर में हुई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शेखर कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चक्रपाणि महाराज मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रुप में महंत देव्या गिरि रहेंगी। इसके अलावा डॉक्टर प्रपन्नाचार्य, मौलाना फरंगी महली, सरदार परमिंदर सिंह, राकेश मैसी, डॉ. नीरज जैन, डॉ. समता बाफिला और डॉ. रमेश श्रीवास्तव आदि शामिल होंगे।

अधिवक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद को किया नमन

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबा साहब भीमराव रामजी अंबेडकर अधिवक्ता मिलन, उच्च न्यायालय, लखनऊ के वकीलों ने शुक्रवार शाम युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई। मिलन प्रमुख मृत्युंजय प्रताप सिंह व सह मिलन प्रमुख अम्बरीष वर्मा ने स्वामी विवेकानंद के जीवन को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। अधिवक्ता श्रेणी संपर्क प्रमुख शैलेंद्र सिंह राजावत ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन खास तौर पर युवाओं के लिए अनुकरणीय है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया सूर्यभान पांडे, वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र प्रताप सिंह, मनोज कुमार सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, विनय कुमार सिंह पंकज अवस्थी सहित सैकड़ों अधिवक्ताओं ने भाग लिया।

मौलाना जवाद पहुंचे लजीज गली, किया विरोध

लखनऊ, (संवाददाता)। मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने शुक्रवार को देर शाम हुसैनाबाद घंटा घर पहुंचकर लजीज गली का विरोध किया। उन्होंने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) पर हुसैनाबाद ट्रस्ट पर कब्जा करने का आरोप लगाया। सही जवाब नहीं मिला तो दो दिन बाद प्रदर्शन किया जाएगा। आरोप लगाया कि जिलाधिकारी हुसैनाबाद ट्रस्ट की जमीनों का मनमाने ढंग से इस्तेमाल कर रहे हैं। मौलाना ने कहा कि लजीज गली का काम रोकने के लिए एलडीए के वीसी से मुलाकात की थी। उनका कहना है कि इस पर उन्होंने 10 करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं। हुसैनाबाद ट्रस्ट की जमीनों पर एलडीए और नगर निगम अवैध कब्जे कर रहा है। इसके लिए राष्ट्रपति को पत्र भेज गया है।

कोहरे की वजह से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई मजदूरों से भरी पिकअप

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना देर रात करीब एक बजे दोस्तपुर के आनूपुर के पास घने कोहरे के कारण हुई। सभी मजदूर रायबरेली से आजमगढ़ जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, पिकअप चालक वीरू रायबरेली से 14 मजदूरों को लेकर आजमगढ़ जा रहा था। रास्ते में किसी अज्ञात ट्रक ने पिकअप को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक गाजीपुर की ओर भाग निकला, जबकि पिकअप पलट गई।

केशव मौर्य ने इंडिया फूड एक्सपो-2026 में उठाए अहम कदम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश को देश का खाद्य प्रसंस्करण हब बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने युवा और उद्यमियों से अपील की कि वे इंडिया फूड एक्सपो–2026 का अधिकतम लाभ उठाएँ। श्री मौर्य ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश की खाद्य प्रसंस्करण नीति देश की सबसे बेहतरीन नीति है और इसे विकसित भारत के प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप पूरी तरह लागू किया जाएगा।आज रिगेलिया ग्रीन्स, गोमती नगर में आयोजित तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो एवं सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने एक्सपो एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और उद्योगों के लिए तैयार की गई इंडस्ट्रियल डायरेक्ट्री का विमोचन भी किया। इस अवसर पर पीएमएफएमई योजना के उत्कृष्ट कार्यों के लिए डीआरपी, बैंकर्स, उद्यमियों और लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए, जबकि पांच उद्यमियों को एलओसी व सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक भी वितरित किए गए।श्री मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और किसानों की आय, उत्पादन, तकनीक और ब्रांडिंग के माध्यम से बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त है और औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल माहौल है। उन्होंने महिलाओं को उद्यम स्थापित करने में विशेष प्रोत्साहन की जानकारी दी और कहा कि सोलर ऊर्जा से जुड़ी महिला उद्यम परियोजनाओं पर 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है।स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने और सामूहिक उत्पादित सामग्री के विपणन को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए श्री मौर्य ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में प्रदेश में अपार संभावनाएँ हैं। स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत के दृष्टिकोण के तहत उत्पाद तैयार किए जाएँ और सरकार उद्यमियों के हर कदम पर सहयोग प्रदान करती रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की फसल किसी भी हालत में बर्बाद नहीं होने दी जाएगी और किसान, उद्यमी व उपभोक्ता की एक सुदृढ़ श्रृंखला बनाई जाएगी।इंडिया फूड एक्सपो जैसी पहल प्रदेश के किसानों, उद्यमियों और निवेशकों को साझा मंच प्रदान करती है। श्री मौर्य ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश को फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में स्थापित किया जाए। इस क्षेत्र में निवेश, नवाचार और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।उप मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बीएल मीना ने प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्यों और नीति के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश गोयल और अन्य उद्यमियों ने भी अपनी राय और सुझाव साझा किए। इस अवसर पर विधायक श्री नीरज बोरा, खाद्य प्रसंस्करण विभाग के निदेशक श्री टी.के. शीबू सहित कई उद्यमी और विशेषज्ञ उपस्थित रहे।इंडिया फूड एक्सपो एवं सेमिनार (दसवां संस्करण) 16 से 18 फरवरी तक आयोजित होगा, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण, मशीन तकनीक और उत्पादों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी के साथ विशेषज्ञों द्वारा उद्योग स्थापित करने की जानकारी भी दी जाएगी।इस एक्सपो के माध्यम से उत्तर प्रदेश के किसानों, युवाओं, महिला समूहों और उद्यमियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा और प्रदेश को खाद्य प्रसंस्करण हब के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

मंत्री सुरेश खन्ना ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ जनपद के प्रभारी मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने जोन–1 के विभिन्न वार्डों में औचक निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था की गहन समीक्षा की। उनके साथ महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रहीं। निरीक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर साफ–सफाई और नागरिक सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था।मंत्री खन्ना ने विक्रमादित्य महात्मा गांधी वार्ड, बाबू बनारसी दास वार्ड, लालकुआं वार्ड, नजरबाग वार्ड और जेसी बोस वार्ड का निरीक्षण किया। विक्रमादित्य महात्मा गांधी वार्ड स्थित योजना भवन, डायमंड डेयरी और उदयगंज क्षेत्र में नालियों की खराब सफाई और सड़कों पर फैली गंदगी को लेकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। जोनल अधिकारी और संबंधित कर्मचारियों का दो दिन का वेतन काटने के आदेश तत्काल प्रभाव से दिए गए।डायमंड डेयरी के पास पंपिंग स्टेशन और आसपास वर्षों से खाली पड़े प्लॉट में जमा मलबा हटाने और प्लॉट मालिक के विरुद्ध कड़ा जुर्माना लगाने के भी निर्देश दिए गए। बाबू बनारसी दास वार्ड में हैदर कैनाल की जर्जर रिटेनिंग वॉल की मरम्मत और आसपास की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।लालकुआं वार्ड में नालियों से होकर गुजर रही पेयजल पाइपलाइन को हटाकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने और कूड़े के नियमित उठान पर विशेष जोर दिया गया। नजरबाग वार्ड के सुंदरबाग क्षेत्र में साफ–सफाई में लापरवाही पाई गई, जिस पर मंत्री ने स्पष्ट कहा कि स्वच्छता में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। जेसी बोस वार्ड में नालियों की समुचित सफाई, सार्वजनिक यूरिनल निर्माण और सीवर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मुंशीपुलिया लखनऊ व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। शुक्रवार को मुंशीपुलिया चौराहे पर मुंशीपुलिया लखनऊ व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। समारोह में बड़ी संख्या में व्यापारी, पदाधिकारी और संगठन से जुड़े लोग मौजूद रहे, जिससे यह आयोजन व्यापारिक एकता और संगठन की मजबूती का प्रतीक बन गया।कार्यक्रम का संचालन अरविन्द पाठक ने किया। उन्होंने मंच से जानकारी देते हुए बताया कि समारोह में लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता सहित अरविन्द पाठक, हिमांशु भट्ट, परमजीत सिंह, अभिषेक सिंह चौहान, मुकेश सिंह, रिंकू यादव, विशाल चौरसिया, बी. बी. सिंह, महेश शर्मा और रवि मिश्रा मंचासीन रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक का अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया।इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा मुंशीपुलिया लखनऊ व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी नितिन जैन को सौंपी गई, जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक गुप्ता और अनुज सिंह बने। कोषाध्यक्ष पद पर एस.पी. मिश्रा तथा उपाध्यक्ष पद पर एस.एस. यादव (एडवोकेट), ओम प्रकाश सिंह, पी.के. श्रीवास्तव, ललित राजपाल, अनिल अग्रवाल, राहुल कुमार जायसवाल और संदीप जायसवाल को दायित्व सौंपा गया। वरिष्ठ संगठन मंत्री आर्क चंदन सिंह, संगठन मंत्री दीपक तिवारी (एडवोकेट) और विनीत जैन बनाए गए। विधि सलाहकार के रूप में सुभाष चंद्रा (एडवोकेट) और अनिल तिवारी (एडवोकेट) को जिम्मेदारी दी गई, जबकि मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन बनाए गए। इसके अलावा रामशंकर गुप्ता, राहुल अग्रवाल, गुलशन कुमार जसवानी, अजित यादव, अनुराग मिश्रा और मोमिन सिद्दीकी को मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शपथ दिलाई गई।समारोह के दौरान अयोध्या रोड क्षेत्र के पवन सिंह और आदर्श प्रताप सिंह को लखनऊ व्यापार मंडल की सदस्यता दिलाई गई। अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र की उपस्थिति में पवन सिंह को उपाध्यक्ष और आदर्श प्रताप सिंह को संगठन मंत्री घोषित किया गया, जिन्हें उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापार और उद्योग किसी भी समाज की आर्थिक रीढ़ होते हैं। लखनऊ व्यापार मंडल जैसे संगठन व्यापारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनकी सुरक्षा और व्यापार को सुगम बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, ताकि छोटे और मध्यम व्यापारी बिना किसी भय के अपना व्यवसाय कर सकें।लखनऊ व्यापार मंडल के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि व्यापार मंडल केवल एक संगठन नहीं, बल्कि व्यापारियों के अधिकार, सम्मान और सुरक्षा की मजबूत आवाज है। शपथ ग्रहण समारोह के माध्यम से एक सशक्त, जिम्मेदार और समर्पित टीम का गठन हुआ है, जो पूरी निष्ठा से व्यापारियों के हितों की रक्षा करेगीअध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल व्यापारियों की एकता, सम्मान और अधिकारों के लिए लगातार संघर्षरत रहा है। समारोह में व्यापारियों की एकजुट भागीदारी यह दर्शाती है कि संगठन दिन–प्रतिदिन और अधिक मजबूत हो रहा है। कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस शपथ ग्रहण समारोह से संगठन को नई ऊर्जा मिली है और नवनियुक्त पदाधिकारी टीम भावना के साथ कार्य करेंगे।इंदिरानगर परिक्षेत्र प्रभारी हिमांशु भट्ट ने बताया कि संगठन का उद्देश्य प्रत्येक क्षेत्र के व्यापारियों को संगठित कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान कराना है। उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह चौहान ने संगठन को व्यापारियों की एकजुटता और अधिकारों की मजबूत आवाज बताया, जबकि युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि युवा व्यापारियों की भागीदारी से संगठन को नई सोच और नई दिशा मिलती है।अंत में अध्यक्ष नितिन जैन और वरिष्ठ महामंत्री अभिषेक गुप्ता ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा व्यापारियों के हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारियों की उपस्थिति रही, जिससे यह शपथ ग्रहण समारोह व्यापारिक एकता और संगठनात्मक मजबूती का संदेश देता नजर आया।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने नवनिर्मित अधिवक्ता एवं न्यायपथ द्वार का किया लोकार्पण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली जी ने रविवार को कचहरी परिसर के जिला पंचायत कार्यालय के बगल में बने नवनिर्मित अधिवक्ता एवं न्यायपथ द्वार का लोकार्पण किया।नगर निगम द्वारा बनाई गई मल्टीलेवल पार्किंग व कचहरी परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया।उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली जी के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उनका आगमन सर्किट हाउस अयोध्या में हुआ।जहां उनका स्वागत न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया, मंडलायुक्त राजेश कुमार, आई० जी० प्रवीण कुमार, जिला जज रणंजय कुमार वर्मा, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार समेत कई न्यायिक अधिकारी द्वारा किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।उसके बाद मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति नगर निगम द्वारा निर्मित मल्टीलेवल पार्किंग स्थल पर पहुंचे जहां अधिकारियों द्वारा अधिवक्ताओं व न्यायालय से संबंधित अधिकारियों व कार्मिकों की पार्किंग के संबंध में जानकारी दी गई और बताया कि इस द्वार के निर्माण से रामपथ पर खड़े होने वाले वाहनों की समस्या से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।वही दूरी घटने पर अब अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मियों, पुलिसकर्मियों और वादकारियों के वाहन नवनिर्मित पार्किंग स्थल में खड़ा करना सुविधाजनक हो जाएगा।इसके बाद मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति महोदय द्वारा अधिवक्ता द्वार एवं न्यायपथ का लोकार्पण किया गया और द्वार से कचहरी तक जाने वाले मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया, जहां अधिकारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी गई।उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली जी द्वारा लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात हनुमानगढ़ी पहुंचे और दर्शन पूजन किया गया। तत्पश्चात श्री राम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने प्रभु श्री राम लला का दर्शन पूजन कियालोकार्पण कार्यक्रम के दौरान न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया, जिला जज रणंजय कुमार वर्मा, मा० महापौर अयोध्या महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर, नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार समेत कई न्यायिक अधिकारी मौजूद रहें।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मोत्सव सप्ताह के तहत हुआ पठन पाठन सामग्री एवं जलपान वितरित

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।नेताजी सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय विचार केंद्र के तत्वावधान में मनाये जा रहे नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मोत्सव सप्ताह के तहत सोमवार को धारा रोड स्थित बाल साक्षरता केंद्र पर नन्हे–मुन्ने बच्चों को पठन पाठन सामग्री एवं जलपान वितरित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए साक्षरता केंद्र की प्रधानाचार्य अजय रानी शर्मा ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया।पार्षद बुद्धि पाल प्रजापति ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस वास्तविक अर्थों में इस देश के राष्ट्रपुरुष थे।नेताजी के जन्मदिवस को राष्ट्र दिवस घोषित करके हम उनके प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर सकते हैं।पार्षद दिलीप यादव ने कहा कि शासकीय अभिलेखों एवं पाठ्य पुस्तकों से हवाई दुर्घटना में नेताजी की मृत्यु का उल्लेख हटाया जाना चाहिए एवं नेताजी के त्याग एवं बलिदान की गौरव गाथा को शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में उचित स्थान दिया जाना चाहिए। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विचार केंद्र के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने कहा कि जब केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए मुखर्जी कमिशन ने बता दिया कि ताइवान में कोई वायुयान दुर्घटना नहीं हुई थी तो इससे यह सिद्ध हो जाता है कि नेताजी की मृत्यु ताइवान की वायुयान दुर्घटना में नहीं हुई थी। अतः सरकार को यह सच्चाई दुनिया को बतानी चाहिए। समारोह के अंत में आगंतुक अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन समाजसेवी सुप्रीत कपूर ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में अवकाश प्राप्त प्रोफेसर विजय पाल सिंह, सुरेंद्र बहादुर सिंह सेवा संस्थान के डॉक्टर शैलेंद्र विक्रम सिंह, भाजपा के नगर मंत्री देवेंद्र मिश्रा दीपू, आरती गुप्ता एवं मीना आदि थे।

संक्षिप्त खबरें

सिटी मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में रविवार को इन्द्र नन्दन सिंह, नगर मजिस्ट्रेट ६ उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा के तहत ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन 23 जनवरी, को कराये जाने के सम्बन्ध में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के साथ बैठक की गयी। जिसमें नगर मजिस्ट्रेट ६ उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा द्वारा अचानक आने वाली दैवी आपदा, अपराध नियंत्रण, आग से सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवायें, आपात कालीन सेवायें सहित जागरूकता अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी और समस्त सदस्यों के नागरिक सुरक्षा में दिये गये नियमों एवं कर्तव्यों से अवगत कराया गया। उक्त बैठक में मुख्य रूप से डा० मनोज वत्स, चीफ वार्डेन नागरिक सुरक्षा, शशिकान्त सिंह, इम्तियाज अहमद, डा० प्रमोद सिंह, डा० हरिनाथ यादव, डा० अंजना सिंह, सुधीर सिंह, नेहा जैन, अन्जुम बेगम, आशीष श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, माधुरी गुप्ता, प्रकान्त दूबे, सर्वेश सिंह, अजय सिंह, मो० हसनैन, राधेरमण जायसवाल, डा० लल्लन मौर्या, उर्वशी सिंह, संतोष कुमार मौर्य, मो० शाहिद मंसूरी, राजेन्द्र कुमार आपदा मित्र सहित समस्त सदस्य नागरिक सुरक्षा उपस्थित रहे। उप नियंत्रक द्वारा यह भी बताया गया कि 23 जनवरी को सायं 05रू00 बजे पुलिस लाइन, जौनपुर में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल सम्पन्न होगा। बैठक का संचालन विजय प्रताप सिंह, नाजिर कलेक्ट्रेट द्वारा किया गया।

मेडिकल कालेज जौनपुर द्वारा स्वदेशी पर आधारित रन / रैली का आयोजन सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० के कुशल नेतृत्व में श्रन फॉर स्वदेशी कार्यक्रम के अन्तर्गत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना तथा आम जनमानस को आत्मनिर्भर भारत की भावना से जोड़ना था। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के जन–सुविधा क्षेत्रों से होकर पुनः महाविद्यालय में संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने ष्स्वदेशी अपनाओं, देश को मजबूत बनाओष्ष्आत्मनिर्भर भारत सशक्त भारतष् जैसे नारों के माध्यम से लागों को स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने विशेष रूप से एमबीबीएस छात्रों से आहान किया कि वे स्वास्थ्य सेवा के साथ–साथ सामाजिक दायित्व के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभाये और अपने परिवार, मित्रो एवं समाज को स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग के प्रति जागरूक करें। साथ ही उन्हें आस–पास के जनसुविधा क्षेत्रो में उपस्थित आम नागरिको से भी स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के बढ़ावा देने का संकल्प लिया। श्रन फॉर स्वदेशीष्रैली के माध्यम से मेडिकल कॉलेज जौनपुर, समाज में सकारात्मक संदेश देते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रीय भागीदारी का परिचय दिया। इस रैली में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ डीन रिसर्च प्रो० रूचिरा सेठी, प्रो० उमेश सरोज, डा० सरिता पाण्डेय, डा० आदर्श यादव, डा० नवीन सिंह, डा० पूजा पाठक, डा० रोहित सरोज, डा० मतीन अहमद, डा० सैयद उस्मान, डा० दिग्वेश यादव व एमबीबीएस के छात्र–छात्राएं तथा अन्य कर्मचारीगण उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

आगामी गणतंत्र दिवस की चल रही तैयारी पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पर

अयोध्या। पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में आगामी गणतंत्र दिवस को पूर्वक मनाने के लिए अभी से ही तैयारी शुरू हो गई है।जिसको लेकर पुलिस लाइन परिसर के रंग रोगन भी जोर–शोर से चल रही है।सोमवार को पुलिस लाइन परेड ग्राउंड का निरीक्षण करने निकले सीओ लाइन देवेश चतुर्वेदी ने आईपीएस अधिकारी शुभम जैन के साथ वहां पर तैनात प्रतिसार निरीक्षक को इसे शीघ्र पूरा करने के आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर इन दोनों अधिकारियों ने बताया इस बार गणतंत्र दिवस पर्व पिछले वर्ष की अपेक्षा और विभव रूप से मनाया जाएगा जिसमें विभिन्न स्कूलों के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक राष्ट्रीय तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे वहीं पुलिस लाइन में तैनात पुलिसकर्मी परेड के दौरान एक से बढ़कर एक कर्तव्य दिखाएंगे। इसको लेकर विभाग अभी से ही तैयारी करने में जुट गया है।

श्री बाबा जंगलीनाथ महादेव धाम में त्रिगुणात्मिका जगदम्बा दुर्गा देवी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी जोरो पर 21 से 24 जनवरी तक धार्मिक महोत्सव होंगे विभिन्न आयोजन

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर।बल्दीराय ब्लॉक के वलीपुर क्षेत्र में स्थित भगवान शिव का प्राचीन एवं श्रद्धा का केंद्र जंगली नाथन धाम आज जीर्णोद्धार के पश्चात भव्य, दिव्य और आकर्षक रूप में श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। वलीपुर चौकी प्रभारी अनिल सक्सेना की भूमिका अत्यंत प्रशंसनीय है, जिन्होंने मंदिर की सुरक्षा, स्वच्छता और संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वहीं मंदिर प्रांगण में पहुंच ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए शेष बचे कार्य को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराने की बात कही है। उनकी इस पहल से महोत्सव का आयोजन और भी वैभवशाली होगा। आयोजन में जनसहभागिता की अहम भूमिका

है, और स्थानीय श्रद्धालुओं और ग्रामवासियों के सहयोग से सभी धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां पूर्ण हो रही हैं।

चार दिवसीय धार्मिक आयोजन का विशाल कार्यक्रम

21 जनवरी– विधि–विधान से भव्य कलश यात्रा

22 जनवरी– क्षेत्र नगर, बाजार स्थित मंदिर में मूर्ति भ्रमण

23 जनवरी– जंगली नाथन धाम परिसर में माता जगदंबा दुर्गा मंदिर की विधिवत प्राण–प्रतिष्ठा और भजन संध्या

24 जनवरी– विशाल भंडारे का आयोजन

आमंत्रण

भक्तों को अक्षत चावल और निमंत्रण पत्र देकर जंगली नाथन धाम के चार दिवसीय धार्मिक महोत्सव में आमंत्रित किया जा रहा है। इस महोत्सव में माता जगदंबा दुर्गा की प्राण–प्रतिष्ठा और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जंगली नाथन धाम में भगवान शिव के साथ माता जगदंबा दुर्गा की प्राण–प्रतिष्ठा से मंदिर का धार्मिक महत्व बढ़ गया है। मंदिर की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई पूजा से भगवान शिव भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

सामुहिक समरसता भोज का हुआ आयोजन

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। भरतकुंड प्रभु श्रीराम के अनुज योगीराज भरत की तपोस्थली स्थित श्रीभरत हनुमान मिलन मंदिर नंदीग्राम भरतकुंड परिसर में सोमवार को सामुहिक समरसता भोज का आयोजन हुआ।सामुहिक समरसता भोज मे मुख्य अतिथि सहकारी बैंक समिति अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने कार्यकर्ताओं समेत बड़ी संख्या में शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों को उन्होंने स्वयं भोजन परोसते हुए एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि मैं सदैव प्रत्येक कार्यकर्ताओं के सुख–दुख में उनके साथ खड़ा हूँ।सिंह ने आयोजित भोज को सामरिक समरसता की मिशाल कायम करने वाला करार दिया।इस मौके पर भाजपा नेता मुन्ना सिंह, विनोद कुमार पाण्डेय, रमाकांत पांडेय, सुनील श्रीवास्तव, योगेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष धर्मराज वर्मा, पूर्व अध्यक्ष अमरनाथ वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष राकेश मिश्र, बीकापुर मंडल अध्यक्ष अनिल उपाध्याय, शैलेंद्र पांडेय मोनू, राजन पांडे, अश्वनी तिवारी,पंकज श्रीवास्तव, अंजनी कुमार पांडेय, अंबरीश पांडेय, अशोक तिवारी अनिल पांडेय, संदीप गुप्ता, राम केदार पांडेय, आशीष मिश्र, सूर्यनारायण दूबे, अमरनाथ सिंह, संतोष सोनी, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष सुनील मिश्र, भरतजी श्रीवास्तव, शिवम सिंह, प्रधान सुनील सिंह, सुनील दूबे, राम भरत पांडेय, सभासद शनि पांडेय, प्रेमबाबू मौर्य, समरजीत निषाद, सुशील पांडेय, इंद्रसेन सिंह, प्रदीप सिंह, बृज मोहन साहू, शैलेन्द्र सिंह पंकज, डॉ आरपी यादव, सुदर्शन पटेल, राम बहादुर निषाद, रमाकांत विश्वकर्मा, अनिल वर्मा सुरेंद्र वर्मा सोमनाथ बाबा सहित सैकडों कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियो ने हिस्सा लेकर समरसता भोज ग्रहण किया।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में दो नाबालिग लड़कियों की मौत तीसरी घायल

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर /लखनऊ–बलिया राज्यमार्ग पर बड़ा हादसा हो गया मोटरसाइकिल चलाना सीख रही दो लड़कियों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई हैं पीछे बैठी तीसरी किशोरी घायल मामूली रूप से घायल हो गई घटना गोसाईगंज थानाक्षेत्र के वैदहा गांव के निकट हुई है बताया जाता हैं कि यह लड़कियां रविवार की दोपहर तकरीबन 1रू00 बजे मोटरसाइकिल चलाना सीख रही थी तभी उनकी बाइक सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली में जा भिड़ी जिससे दो किशोरियों की मौके पर मौत हो गई हैं थानाध्यक्ष गोसाईगंज राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि दोनों लड़कियों का पंचायतनामा भर दिया गया है तथा तीसरी घायल लड़की होशो हवास में हैं तथा खतरे से बाहर हैं रिश्तेदारी में तीनों के बीच बहन का रिश्ता हैं।

एसपी ग्रामीण व सीओ सदर ने उप निरीक्षक को किया सम्मानित

अयोध्या।सोमवार को पुलिस लाइन में तैनात उप निरीक्षक अजीत पासवान को एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने सीओ सदर अरविन्द सोनकर के साथ अपने कार्यालय में प्रशस्ति प्रमाण पत्र तथा मेडल देकर

सम्मानित किया।उप निरीक्षक को यह सम्मान 11वीं वाहिनी पीएसी परिसर में आयोजित 50 वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक शूटिंग स्पोर्ट्स रायफलध रिवाल्वर धपिस्टल शूटिंग एंव एलार्म एफीसियेंसी रेस प्रतियोगिता –2025 के 10 मीटर एयर पिस्टल टीम (इवेंट) में लखनऊ जोन की टीम की ओर से प्रतिभाग किया था।जिन्हें तृतीय स्थान प्राप्त हुआ था।

सभी पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल किया जाना चाहिए : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 के तहत रविवार, को विशेष अभियान चलाया गया। जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने इस दौरान विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर बीएलओ द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन के वाचन कार्य का निरीक्षण किया।उन्होंने विधानसभा क्षेत्र 366–जौनपुर के अंतर्गत टी.डी. पी. जी. महिला कॉलेज (बूथ संख्या 509–512), टी.डी. इंटर कॉलेज (बूथ संख्या 498–504) और सरस्वती शिशु मंदिर (बूथ संख्या 458–467) का दौरा किया। इसके अतिरिक्त, विधानसभा क्षेत्र 364–बदलापुर के प्राथमिक विद्यालय पुरानी बाजार बदलापुर स्थित बूथ संख्या 137, 138 और 139 सहित अन्य बूथों का भी जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान, जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित बीएलओ, बीएलए और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से बातचीत की। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में फॉर्म–6 भरवाकर युवा मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

डॉ. चंद्र ने दिव्यांग मतदाताओं और महिला मतदाताओं की भी अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल किया जाना चाहिए।

इसी क्रम में, जनपद के समस्त मतदेय बूथों पर बीएलओ द्वारा जनमानस की उपस्थिति में मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन और ए. एस.डी. सूची का वाचन किया गया। यह कार्य मतदाताओं को अपनी जानकारी सत्यापित करने का अवसर प्रदान कर

चाइनीज मांझे से मौत के विरोध में निकाला गया कैंडल मार्च, डॉ. समीर हाशमी को दी गई श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में चाइनीज मांझे की चपेट में आकर 14 जनवरी को लाइन बाजार थाना अंतर्गत प्रसाद तिराहे के पास फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. समीर हाशमी की दर्दनाक मौत से पूरे जनपद में शोक और आक्रोश का माहौल है। बीते दिनों हुई इस हृदयविदारक घटना के बाद दिवंगत आत्मा की शांति एवं चाइनीज मांझे के बहिष्कार की मांग को लेकर रविवार देर शाम जौनपुर फिजियोथेरेपी वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में एक विशाल कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च जेसीज चौराहे से प्रारंभ होकर सद्भावना पुल के रास्ते गोपी घाट पर समाप्त हुआ। इस दौरान उपस्थित फिजियोथैरेपिस्टों एवं नागरिकों ने मोमबत्तियां जलाकर डॉ. समीर हाशमी को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की तथा चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चाइनीज मांझा जानलेवा है और इसके कारण अब तक कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। श्रद्धांजलि सभा में डॉ. महेंद्र पाल, डॉ. संतोष मौर्या, डॉ. अमित तिवारी, डॉ. वरुण कुमार गोंड,, डॉ. योगेश, डॉ. रितेश अग्रहरि, डॉ. शरद मिश्रा, डॉ. प्रदीप गुप्ता, डॉ. अनंत चौहान सहित जौनपुर फिजियोथेरेपी वेलफेयर एसोसिएशन के समस्त सदस्य एवं बड़ी संख्या में फिजियोथेरेपिस्ट उपस्थित रहे।

पत्रकारों के मैत्री मैच में सुशील 11 की टीम बनीं विजेता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव
जौनपुर शहर के शिया कॉलेज के मैदान में रविवार की सुबह करीब 10 बजे से पत्रकार बनाम पत्रकार का मैत्री मैच खेला गया। इस दौरान जावेद 11 और सुशील 11 की टीम में रोमांचक मुकाबला हुआ। अंततरू सुशील 11 की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्राफी पर कब्जा कर लिया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पुरस्कार वितरण समारोह में पहुंचे महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने पत्रकारों का उत्साहवर्धन करते हुए हास्यात्मक अंदाज में कहा कि उपविजेता टीम का इसमें महत्वपूर्ण योगदान है अगर उपविजेता टीम न होती हो विजेता टीम भी नहीं होती और विजेता टीम के चेहरे पर जो मुस्कुराहट है यह निश्चित तौर पर उनकी मेहनत के दम पर है। इसी तरह से राजनीति में भी हम जौनपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और उपविजेता रहे। हमें फिर मौका मिलेगा तो इस बार हम विजेता होंगे। उन्होंने एक–एक कर सभी 22 खिलाड़ियों, एम्पायर, कमेंटेटर को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इसके बाद उपविजेता टीम जावेद 11 को ट्रॉफी दी। तत्पश्चात सुशील तिवारी को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी। कमेंटेटर की भूमिका आयोजनकर्ता मो. अब्बास और अंकित जायसवाल ने निभाई। इस अवसर पर पत्रकार रूद्रप्रताप सिंह, अजीत सिंह, देवेंद्र खरे, संजय अस्थाना, दीपक सिंह, राजन मिश्रा, सुशील तिवारी, बृजेश मिश्रा, आबिश इमाम सनी, काजू सिंह, दीपक श्रीवास्तव, मसूद अहमद, असलम परवेज, आलोक सिंह, सरस सिंह, अंकित श्रीवास्तव, इमरान अब्बास, दानिश इकबाल, बख्तियार आलम, रोहित चौबे, दीपक सिंह, अजीत बादल चक्रवर्ती, संजय चौरसिया, तबरेज, स्वामी जी, विवेक सिंह समेत कई पत्रकार साथी रहे। आयोजनकर्ता मो. अब्बास रिजवी ने बताया कि आगामी मैच जिला प्रशासन की टीम से होगा, जिसके लिए तैयारी चल रही है। इसके बाद विजेता टीम सुशील 11 को ट्राफी प्रदान कर उनको बधाई दी। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता ओपी सिंह, प्रबुध दूबे, रत्नाकर सिह, सुशील मिश्रा समेत समस्त पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।